जल संरक्षण को लेकर एनसीसी ने किया जागरूक

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के एनसीसी इकाई द्वारा कैच द रेन थीम पर रेन डे मनाया गया। धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है, क्योंकि जल के बिना जीवन संभव नहीं है। पृथ्वी एक अकेला ऐसा ग्रह है जहां पानी और जीवन मौजूद है।

आठ छग (स्वतंत्र) कंपनी एनसीसी कांकेर के कमान अधिकारी कर्नल सतीश वत्स के निर्देशानुसार शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के एनसीसी कैडेटों ने ग्राम जैसाकर्रा में नुक्कड़ नाटक व रैली में जो ना जागा जल के लिए वो न बचेगा कल के लिए का नारा लगाते हुए आम लोगों को वर्षा जल संरक्षण जागरूक किया।

नुक्कड़ नाटक के जरीए लोगों को जागरूक कर रहे एनसीसी कैडेट के लोग। ● नईदुनिया

जन जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए एनसीसी अधिकारी मेजर केके मरकाम ने कहा कि धरती पर जीवन की निरंतरता के लिए पानी आवश्यक है, यह सभी जीव-जंतुओं, पेड़ पौधों एवं सूक्ष्मजीवों की आधारभूत आवश्यकता है। सभी नागरिक वर्षा के जल को संरक्षित करने का संकल्प लें, जिससे की हमारा भविष्य भी संरक्षित रहे। इस अवसर पर प्रो. डोमेश केमरो, प्रोफेसर महेश कतलाम, प्रो. विशाल वार्ष्णेय, कंप्यूटर आपरेटर धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, नरेश साहू, नदंनी साहू, ग्राम जैसाकर्रा के उपसरपंच अशोक देहारी, श्याम सिंग, मानोबाई तारम, पुष्पा सोनवानी, उमेश्वरी रावटे आदि उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Char
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.

पत्रिका सिटी & हाइपर लोकल
patrika.com CITY HYPER LOCAL
10
पत्रिका patrika.com
कांकेर, शनिवार 30 जुलाई 2022

एनसीसी कैडेटों ने जैसाकरा में नुक्कड़ नाटक कर किया जागरूक

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के एनसीसी इकाई द्वारा 29 जुलाई को कैच द रेन के थीम पर रेन-डे मनाया गया। धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल के संरक्षण के बारे में लोगों को बताया गया।

जल संरक्षण के बारे में लोगों को बताया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चारामा. इस दौरान बताया गया कि धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है, क्योंकि जल के बिना जीवन संभव नहीं है। पूरे ब्रह्माण्ड में एक अपवाद के रूप में धरती पर जीवन चक्र को जारी रखने में जल मदद करता है।

पृथ्वी एक अकेला ऐसा ग्रह है जहां पानी और जीवन मौजूद है और पानी की जरूरत पादपों एवं जीव-जंतुओं को जीवन भर होती है। इसी तारतम्य में आठ छग स्वतंत्र कम्पनी एनसीसी कांकेर के कमान अधिकारी कर्नल सतीश वत्स के निर्देशानुसार शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के एनसीसी कैडेटों ने ग्राम जैसाकर्रा में नुक्कड़ नाटक व रैली में जो ना जागा जल के लिये, वो न बचेगा कल के लिये का नारा लगाते हुए आम जनमानस को वर्षा जल संरक्षण हेतु जागरूक किया। जन-जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए एनसीसी अधिकारी मेजर केके मरकाम ने कहा कि धरती पर जीवन की निरंतरता के लिये पानी आवश्यक है। यह सभी जीव-जन्तुओं, पेड़-पौधों एवं सूक्ष्मजीवों की आधारभूत आवश्यकता है। जल जीवन का अद्वितीय स्त्रोत है तथा पानी के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। सबसे पहले हमें वर्षा के जल को समुद्र में जाने से रोकना होगा, पानी केवल हमें वर्षा काल में ही मिलता है, जिसको बचाने के लिये प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना है, क्योंकि इस पृथ्वी पर पीने का जल केवल एक प्रतिशत ही है। बाकी जल समुद्रों और बर्फ के रूप में है, जिसका जल उपयोग नहीं किया जा सकता है। अतः सभी नागरिक वर्षा के जल को संरक्षित करने का संकल्प लें, जिससे की हमारा भविष्य भी संरक्षित रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर डोमेश केमरो, प्रोफेसर महेश कतलाम, प्रोफेसर विशाल वार्ष्णेय, कम्प्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, नरेश साहू, नदंनी साहू, ग्राम जैसाकर्रा के उपसरपंच अशोक देहारी, श्याम सिंग, मानोबाई तारम, पुष्पा सोनवानी, उमेश्वरी रावटे सहित ग्रामवासी व महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट उपस्थित थे।

Principal
...eed Gendsingh College Charama
... Uttar Bastar Kan...

नवभारत रायपुर, बुधवार 6 जुलाई 2022

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत रिपोर्टर | चारामा
www.navbharat.news

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर एनसीसी इकाई एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रति वर्ष 03 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है. 03 जुलाई को अवकाश होने के कारण महाविद्यालय द्वारा यह दिवस 05 जुलाई को मनाया गया. वर्तमान समय में विश्व की सबसे बड़ी समस्या है. पर्यावरण प्रदूषण के कारण सभी पादप और जीव-जंतु इससे प्रभावित हो रहे हैं और भूमंडलीय तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है. प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है. प्लास्टिकों में सिंगल यूज प्लास्टिक हमारी पृथ्वी के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक है. सिंगल यूज प्लास्टिक को एक बार उपयोग करने के पश्चात फेंक दिया जाता है. प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता है और इस प्रक्रिया में वह वायु, जल एवं थल को प्रदूषित करता है. अतः सिंगल यूज प्लास्टिक का हमें बहिष्कार करना चाहिए. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि हमें धीरे-धीरे अपनी जिंदगी से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करना होगा. उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस दिशा में आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को हतोत्साहित करने हेतु कठोर कानून बना कर दृढ़तापूर्वक इस पालन करवाना होगा, तभी हम भारत को प्लास्टिक मुक्त कर पायेंगे. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. के. के. मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि समाज, परिवार एवं देश में विद्यार्थियों को प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के बारे में प्रचार-प्रसार करना चाहिए. सभी विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत हेतु संदेश दिया. जन-जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एमएल नेताम, डोमेश केमरो (सहायक प्राध्यापक गणित), विशाल वार्ष्णेय (सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान), धर्मेंद्र सिन्हा (कम्प्यूटर ऑपरेटर), एनसीसी कैडेटस एवं अन्य विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G)

कार्यक्रम : महाविद्यालय में जन-जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया गया

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया गया। इस दौरान लोगों को जागरूक करते हुए अतिथियों ने कहा कि सिंगल युज प्लास्टिक सबसे अधिक घातक है। इससे पर्यावरण पर अधिक असर पड़ता है। हम सभी को संकल्प लेना होगा कि ऐसी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। तभी पर्यावरण को हम बचा सकते हैं।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर एनसीसी इकाई एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जन.जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि 3 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस विश्व में मनाया जाता है।

तीन जुलाई को अवकाश होने के कारण महाविद्यालय द्वारा यह दिवस तीसरे दिन मनाया गया। मौजूदा समय में विश्व की सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण प्रदूषण की है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण सभी पादप और जीव-जंतु इससे प्रभावित हो रहे हैं और भूमंडलीय तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है। प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। प्लास्टिकों में सिंगल यूज प्लास्टिक हमारी पृथ्वी के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक है। सिंगल यूज प्लास्टिक को एक बार उपयोग करने के पश्चात् फेंक दिया जाता है। प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होती है और इस प्रक्रिया में वह

वायु, जल एवं थल को प्रदूषित करती है। अतः सिंगल यूज प्लास्टिक का हमें बहिष्कार करना चाहिए। जन-जागरुकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि हमें धीरे-धीरे अपनी जिंदगी से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस दिशा में आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए कठोर कानून बनाकर दृढ़तापूर्वक इस पालन करवाना होगा। तभी हम भारत को प्लास्टिक मुक्त कर पायेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि समाज, परिवार एवं देश में विद्यार्थियों को प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के बारे में प्रचार-प्रसार करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए संदेश दिया। जन-जागरुकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एमएल नेताम, डोमेश केमरो सहायक प्राध्यापक, गणित, विशाल वार्ष्णेय सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान, धर्मेंद्र सिन्हा कम्प्यूटर ऑपरेटर, एनसीसी कैडेटस एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

12 नईदुनिया
रायपुर, बुधवार 6 जुलाई, 2022

बैग मुक्त दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पोस्टर के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत हेतु संदेश देते छात्र। ● नईदुनिया

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर एनसीसी इकाई व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रति वर्ष तीन जुलाई को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। तीन जुलाई को अवकाश होने के कारण महाविद्यालय द्वारा यह दिवस पांच जुलाई को मनाया गया।

वर्तमान समय में विश्व की सबसे बड़ी समस्या है पर्यावरण प्रदूषण। प्रदूषण के कारण सभी पादप और जीव-जंतु इससे प्रभावित हो रहे हैं और भूमंडलीय तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है। प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। प्लास्टिकों में सिंगल यूज प्लास्टिक हमारी पृथ्वी के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक है। सिंगल यूज प्लास्टिक को एक बार उपयोग करने के पश्चात फेंक दिया जाता है। प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता है और इस प्रक्रिया में वह वायु, जल एवं थल को प्रदूषित करता है। अत: सिंगल यूज प्लास्टिक का हमें बहिष्कार करना चाहिए।

जन जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि हमें धीरे-धीरे अपनी जिंदगी से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करना होगा। उन्होने आगे कहा कि सरकार को इस दिशा में आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए कठोर कानून बना कर दृढ़तापूर्वक इस पालन करवाना होगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी डा. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि समाज, परिवार एवं देश में विद्यार्थियों को प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के बारे में प्रचार-प्रसार करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए संदेश दिया। जन जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एमएल नेताम, डोमेश केमरो (सहायक प्राध्यापक, गणित), विशाल वार्ष्णेय सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान, धर्मेंद्र सिन्हा (कम्प्यूटर आपरेटर), एनसीसी कैडेटस एवं अन्य विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

9 Oct 2021

चिकित्सा, शिक्षा, खिलौना निर्माण, रसोई आदि सभी क्षेत्रों में प्लास्टिक का होता है प्रयोग

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए निकाली जन-जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चारामा

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा द्वारा 8 अक्टूबर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत के निर्माण के लिए स्कूली विद्यार्थियों एवं ग्रामिणों के साथ ग्राम सिरसिदा में जन-जागरूकता रैली निकाली गई।

जन-जागरुकता रैली के दौरान बताया गया कि प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। चिकित्सा, शिक्षा, खिलौना निर्माण, रसोई आदि लगभग सभी क्षेत्रों में प्लास्टिक का प्रयोग होता है। प्लास्टिक के अत्यधिक प्रयोग से हमारा जल, भूमि और वायु प्रदूषित हो रहा है। प्लास्टिकों में सबसे ज्यादा हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक है। सिंगल यूज प्लास्टिक वह प्लास्टिक है, जिसका प्रयोग एक ही बार किया जा सकता है और प्रयोग के पश्चात उसका रिसायक्लिंग संभव नहीं होता। प्लास्टिक के अपघटन में सैकाड़ों वर्ष लगता है और इस प्रक्रिया में वह पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव छोड़ता है।

जानकारों ने बताया कि एक अनुमान के अनुसार जितना प्लास्टिक अपशिष्ट होता है उसका सिर्फ 9 प्रतिशत रिसायकल होता है, 79 प्रतिशत धरती पर रहती है और 12 प्रतिशत जला दिया जाता है। सिंगल यूज प्लास्टिक के अत्याधिक उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन ठीक ना होने के कारण यह भूमि, नदी-नाले, समुद्र, वायु, पशु-पक्षियों ,मानव, कृषि और हमारी अर्थव्यवस्था पर दुष्प्रभाव डाल रहा है, अगर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर नियंत्रण नहीं लगाया गया तो सन 2050 तक 20 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक अपशिष्ट हमारी धरती पर होगा। इसी के दुष्प्रभावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान चलाने का आव्हान किया था। हमें भारत को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना है तो हमें इसके बारे में आम-जनमानस को बताकर इसके उपयोग को हतोत्साहित करना होगा , सरकार को सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने होगें और इसके विकल्प हेतु वैज्ञानिक शोध-अनुसंधान पर ध्यान देना होगा।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने प्राथमिक स्कूल सिरसिदा के प्रांगण में स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं पर्यावरण संरक्षण बारे में आम-जनमानस की सहभागिता के बारे में बताया। रैली के अंत में समस्त विद्यार्थियों, महाविद्यालयीन एवं स्कूली स्टॉफ और ग्रामिणों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग ना करने की शपथ ली। रैली में महाविद्यालय के धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, नरेश साहू, सोमनाथ साहू,मधु कावड़े महाविद्यालयीन विद्यार्थी, ग्राम सिरसिदा के सरपंच डोमेश्वरी कोवाची, प्राथमिक शाला सिरसिदा के प्राधान अध्यापिका लक्ष्मी उइके , शिक्षक शत्रुघन गोटा, शिक्षिका वर्षा खूबचंदानी, महंती मिरी, [illegible] सिन्हा सहित स्कूली विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन सम्मिलित

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker

नवभारत रायपुर, शनिवार 9 अक्टूबर 2021

प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए जन-जागरूकता रैली का आयोजन

नवभारत रिपोर्टर | चारामा.
www.navbharat.news

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा द्वारा 08 अक्टूबर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत निर्माण के लिए स्कूली विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के साथ ग्राम सिरसिदा में जन-जागरूकता रैली निकाली गई.

प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है. चिकित्सा, शिक्षा, खिलौना निर्माण, रसोई आदि लगभग सभी क्षेत्रों में प्लास्टिक का प्रयोग होता है. प्लास्टिक के अत्यधिक प्रयोग से हमारा जल, भूमि और वायु प्रदूषित हो रहा है. प्लास्टिकों में सबसे ज्यादा हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक है. सिंगल यूज प्लास्टिक वह प्लास्टिक है. जिसका प्रयोग एक ही बार किया जा सकता है और प्रयोग के पश्चात उसका रिसायक्लिंग संभव नहीं होता प्लास्टिक के अपघटन में सैकाड़ों वर्ष लगता है और इस प्रक्रिया में वह पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव छोड़ता है. एक अनुमान के अनुसार जितना प्लास्टिक अपशिष्ट होता है उसका सिर्फ 9 प्रतिशत रिसायकल होता है. 79 प्रतिशत धरती पर रहती है और 12 प्रतिशत जला दिया जाता है. सहायक प्राध्यापक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने प्राथमिक स्कूल सिरसिदा के प्रांगण में स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं पर्यावरण संरक्षण बारे में आम-जनमानस की सहभागिता के बारे में बताया. रैली के अंत में समस्त विद्यार्थियों महाविद्यालयीन एवं स्कूली स्टॉफ और ग्रामिणों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग ना करने की शपथ ली. इस रैली में महाविद्यालय के धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर साहू, नरेश साहू, सोमनाथ साहू, मधु कावड़े महाविद्यालयीन विद्यार्थी, ग्राम सिरसिदा के सरपंच डोमेश्वरी कोवाची, प्राथमिक शाला सिरसिदा के प्राधानपाठिका लक्ष्मी उईके, शिक्षक शत्रुघन गोटा, शिक्षिका वर्षा खूबचंदानी, महंती मिरी, सरिता यादव, पीमन सिन्हा, लक्ष्मी उइके स्कूली विद्याथी एवं ग्रामीणजन सम्मिलित हुए.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

पत्रिका
कांकेर, शुक्रवार, 17 सितंबर 2021
patrika.com

आयोजन : ओजोन के क्षरण से खतरा

विश्व ओजोन दिवस पर आनलाइन क्विज, पोस्टर प्रदर्शनी लगी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चारामा. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में गुरुवार को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण और जनजागरुकता के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा ऑनलाइन क्विज, प्रोस्टर प्रदर्शनी और व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान व्याख्यान में बताया गया कि ओजोन परत, ओजोन गैस की हमारी पृथ्वी के उपर एक रक्षा कवच है, जो पृथ्वी में सूर्य की हानिकारक पराबैगनी किरणों को आने से रोकती है और इस प्रकार यह मानव, पादप और जीव-जंतुओं की रक्षा करती है। हमारे वायुमंडल के उपरी परत में 18 से 35 किमी के मध्य ओजोन गैस पाई जाती है।

मनुष्य के उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने ओजोन परत को नुकसान पहुंचाया है। मुनष्य द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं जैसे रेफ्रिजरेटर, एयर कंडिशनिंग उपकरण आदि से हानिकारक कार्बन, फ्लोरिन, क्लोरिन और हाईड्रोजन गैसों का उत्सर्जन हो रहा है और इन गैसों के कारण ओजोन परत का नुकसान है। पराबैगनी किरणों के कारण भूमंडलीय तापन में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, त्वचा कैंसर, आनुवांशिक विसंगतियां, मोतियाबिंद, समुद्रीय शैवालों और अन्य जलीय जीव पर कुप्रभाव, पौधों के विकास पर कुप्रभाव पड़ रहा है।

आगे बताया गया कि 1984 में ब्रिटिश आर्कटिक सर्वे के अध्ययन में जब पता चला कि अंटार्टिका में ओजोन परत में क्षरण हुआ है तो वैश्विक स्तर पर ओजोन परत के संरक्षण और हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को रोकने 22 मार्च 1985 को 28 देशों ने वियेना में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलम के पश्चात् 16 सितम्बर 1987 को मोंट्रियल में विश्व के अधिकांश देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर कर ओजोन परत के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट किया। महाविद्यालय में ओजोन दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी में बीएससी भाग एक की छात्रा मनीषा सिन्हा, केशमणी सिन्हा, मोनिका साहू, मुन्ना लाल साहू, बीए भाग दो की छात्रा पूनम भेड़िया, प्रिया माहला और बीकॉम भाग एक की छात्रा मोनिका यादव ने पोस्टर के माध्यम से और मानव श्रृंखला बनाकर ओजोन परत के संरक्षण के महत्व को बताया। विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्विज का भी आयोजन किया गया। जिसमें 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वियेना सम्मेलन और मोंट्रियल प्रोटोकॉल के बारे में बताकर विश्व के देशों का ओजोन परत के संरक्षण के संदर्भ में प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। जिससे भू-मंडलीय ताप एवं जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. कमलनारायण ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, नदंनी साहू, धर्मेंद्र [illegible] ठाकुर, सोमनाथ साहू, देवलाल कावड़े और विद्यार्थी उपस्थित [illegible]

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

विश्व ओजोन दिवस पर संरक्षण को लेकर पोस्टर प्रदर्शनी व व्याख्यान

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण और जनजागरूकता हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आनलाइन क्विज, पोस्टर प्रदर्शनी और व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ओजोन परत, ओजोन गैस की हमारी पृथ्वी के उपर एक रक्षा कवच है, जो पृथ्वी में सूर्य की हानिकारक पराबैगनी किरणों को आने से रोकता है और इस प्रकार यह मानव, पादप, और जीव-जंतुओ की रक्षा करता है। हमारे वायुमंडल की उपरी परत में 18 से 35 किमी के मध्य ओजोन गैस पायी जाती है। मनुष्य के उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने ओजोन परत को नुकसान पहुंचाया है। मनुष्य द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं जैसे रेफ्रिजरेटर, एयर कंडिशनिंग उपकरण आदि से हानिकारक कार्बन, फ्लोरिन, क्लोरिन और हाईड्रोजन गैसो का उत्सर्जन हो रहा है और इन गैसों के कारण ओजोन परत का नुकसान हुआ है।

पराबैगनी किरणों के कारण भूमंडलीय तापन में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, त्वचा कैंसर, आनुवांशिक विसंगतियाँ, मोतियाबिंद, समुद्रीय शैवालों और अन्य जलीय जीव पर कुप्रभाव, पौधों के विकास पर कुप्रभाव पड़ रहा है। 1984 में ब्रिटिश आर्कटिक सर्वे के अध्ययन में जब पता चला कि अंटार्टिका में ओजोन परत में क्षरण हुआ है तो वैश्विक स्तर पर ओजोन परत के संरक्षण और हानिकारकारक गैसों के उत्सर्जन को रोकने के लिए 22 मार्च, 1985 को 28 देशों ने वियेना में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के पश्चात 16 सितम्बर, 1987 को मोंट्रियल में विश्व के अधिकांश देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर कर ओजोन परत के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट किये।

महाविद्यालय में ओजोन दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी में बीएससी भाग एक की छात्रा मनीषा सिन्हा, केशमणी सिन्हा, मोनिका साहू, मुक्ता लाल साहू, बीए भाग दो की छात्रा पूनम भेंडिया, प्रिया माहला और बीकाम.भाग एक की छात्रा मोनिका यादव ने पोस्टर के माध्यम से और मानव श्रृंखला बना कर ओजोन परत के संरक्षण के महत्व को बताया। विद्यार्थियों के लिए आनलाईन क्विज का भी आयोजन किया गया था, जिसमें 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वियेना सम्मेलन और मोंट्रियल प्रोटोकाल के बारे में बता कर विश्व के देशों का ओजोन परत के संरक्षण के संदर्भ में प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया।

महाविद्यालय परिसर में मौजूद छात्र-छात्राएं। ● नईदुनिया

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए सभी मिल कर कार्य करें, जिससे भूमंडलीय ताप एवं जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा जा सके। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. कमलनारायण ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, नदंनी साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, रूपेंद्र ठाकुर, सोमनाथ साहू, देवलाल कावड़े, नस्रे साहू सहित विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत रायपुर, शुक्रवार 17 सितम्बर 2021

विश्व ओजोन दिवस पर ऑनलाईन क्विज पोस्टर प्रदशर्नी और व्याख्यान का आयोजन

कांकेर. शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा में 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन परत के संरक्षण और जनजागरूकता हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा ऑनलाईन क्विज, प्रोस्टर प्रदशर्नी और व्याख्यान का आयोजन किया गया. आयोजित पोस्टर प्रदशर्नी में बीएससी-भाग एक की छात्रा मनीषा सिन्हा, केशमणी सिन्हा, मोनिका साहू, मुन्ना लाल साहू , बीए-भाग दो की छात्रा पूनम भेड़िया, प्रिया माहला और बीकॉम-भाग एक की छात्रा मोनिका यादव ने पोस्टर के माध्यम से और मानव श्रृंखला बना कर ओजोन परत के संरक्षण के महत्व को बताया. विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन क्विज का भी आयोजन किया गया था, जिसमें 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया. इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वियेना सम्मेलन और मॉंट्रियल प्रोटोकॉल के बारे में बता कर विश्व के देशों का ओजोन परत के संरक्षण के संदर्भ में प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए सभी मिल कर कार्य करें. जिससे भूमंडलीय ताप एवं जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा जा सके. इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. कमलनारायण ठाकुर, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, नदंनी साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, रूपेंद्र ठाकुर, सोमनाथ साहू, देवलाल कावड़े शामिल हुए.

Principal
Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

नवभारत

रायपुर, रविवार 5 सितंबर 2021

महाविद्यालय में राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस मनाया गया

नवभारत रिपोर्टर ❖ चारामा
www.navbharat.org

शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा में 04 सितम्बर को राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस के अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वन्यजीवों के संरक्षण में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा घोषित 17 संपोषित विकास लक्ष्यों में 03 लक्ष्य जलीय जीवों की सुरक्षा, धरती पर जीवन और जलवायु कारवाई के बारे में बताया. रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी के अनुसार, विकास के कारण पर्यावरण विघटन जो हो रहा है उसे संपोषित विकास के द्वारा दूर किया जा सकता है. संस्था के प्राचार्य डॉ. के. के. मरकाम ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता के द्वारा एक्स सीटू एवं इन सीटू के संदर्भ में राष्ट्रीय उद्यान एवं चिड़ियाघर के बारे में विस्तार से बताया. इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एम एल नेताम, सहायक प्राध्यापक हेम प्रसाद पटेल, सहायक प्राध्यापक कुलेश्वर प्रसाद, सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक मिश्र, हितेंद्र बोरकर, जीवराखन जैन, श्रीमति रीता नेताम, लक्ष्मी छाया भोजवानी, राजकिशोर साहू, हरिराम साहू, रूपेंद्र ठाकुर, धर्मेंद्र सिन्हा, सुधीर कुमार साहू, मधु कावड़े, सोमनाथ साहू जितेंद्र ठाकुर, नरेश साहू, नंदनी साहू एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker

महाविद्यालय में राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस मनाया गया

जनधारा समाचार

चारामा। शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस पर आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने वन्यजीवों के संरक्षण में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा घोषित 17 संपोषित विकास लक्ष्यों में 03 लक्ष्य जलीय जीवों की सुरक्षा, धरती पर जीवन और जलवायु कार्रवाई के बारे में बताया। रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी के अनुसार, विकास के कारण पर्यावरण विघटन जो हो रहा है उसे संपोषित विकास के द्वारा दूर किया जा सकता है। संस्था के प्राचार्य डॉ. के. के. मरकाम ने कहा कि जैव विविधता द्वारा एक्स सीटू एवं इन सीटू के संदर्भ में राष्ट्रीय उद्यान एवं चिड़ियाघर के बारे में विस्तार से बताया।

2021

राष्ट्रीय उद्यान में जीव-जंतुओं को उसके नैचुरल हैबिटाट में रखा जाता है जबकि चिड़ियाघर में उनको पालतू बना कर रखा जाता है जो कि वन्य जीव संरक्षण का एक उपाय है। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एमएल नेताम, सहायक प्राध्यापक हेमप्रसाद पटेल, सहायक प्राध्यापक कुलेश्वर प्रसाद, सहायक प्राध्यापक डॉ. [illegible] मिश्र, हितेंद्र बोरकर, जीवराखन जैन, रीता नेताम, लक्ष्मी छाया भोजवानी, राजकिशोर साहू एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G)

चारामा में भी बांधी गई पेड़ों को राखी

चारामा(नईदुनिया न्यूज)। विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के कारण दिन-प्रतिदिन भूमंडलीय ताप बढ़ता जा रहा है। इसके कारण ओजोन परत का क्षरण और अन्य कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सभी देशों की सरकारों द्वारा पर्यावरण संरक्षण व संपोषित विकास हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी को जागरूक करना अनिवार्य है। स्कूल, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास के आधारस्तंभ हैं। इस तारतम्य में 21 अगस्त को शासकीय

राखी बांधती हुई। ● नईदुनिया

शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय, चारामा के छात्राओं व महिला स्टाफ द्वारा भाई-बहन के त्यौहार रक्षाबंधन के पूर्व पेड़-पौधों को राखी बांध कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। प्राचार्य डा. केके मरकाम द्वारा छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ को पेड़ों की रक्षा हेतु शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक मनोहर लाल नेताम, रवींद्र सिंह चंद्रवंशी, हेमप्रसाद पटेल, डा. अभिषेक मिश्र, कमल नारायण ठाकुर, जीवराखन जैन, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, सुधीर साहू, धर्मेन्द्र सिन्हा, जितेंद्र कुमार ठाकुर, नरेश साहू, नंदनी साहू, देवलाल कावड़े, मधु कावड़े एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

22/08/2021

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

दैनिक भास्कर कांकेर 22-08-2021

छात्रों ने पेड़ों को राखी बांध कर सुरक्षा का लिया संकल्प

चारामा। पेड़-पौधों को राखी बांध कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश।

चारामा | शासकीय शहीद गैंदसिंह कॉलेज के छात्र-छात्राओं व स्टॉफ द्वारा शनिवार को रक्षाबंधन पर्व पर पेड़-पौधों को राखी बांध कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। प्राचार्य डॉ. केके मरकाम ने छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टॉफ को पेड़ों की रक्षा की शपथ दिलाई। इस मौके पर वरिष्ठ प्राध्यापक मनोहर लाल नेताम, रवींद्र सिंह चंद्रवंशी, हेमप्रसाद पटेल, डॉ. अभिषेक मिश्रा, कमलनारायण ठाकुर, जीवराखन जैन, हितेंद्र बोरकर, लक्ष्मीछाया भोजवानी, सुधीर साहू, धर्मेंद्र सिन्हा, जितेंद्र कुमार ठाकुर, नरेश साहू, नंदनी साहू, देवलाल कावड़े, मधु कावड़े आदि उपस्थित थे।

रक्षासूत्र बांध कर रक्षा करने का लिया संकल्प

कांकेर | शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इच्छापुर के

रक्षाबंधन के पूर्व संध्या पर पेड़ों को राखी बांधकर रक्षा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर लोगों को जागरूक करने रैली भी निकाली गई। स्काउट मास्टर सतीश चंद्र प्रसाद ने कहा प्रकृति हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जिनका हमें सोच समझकर दोहन करने की आवश्यकता है। प्रकृति के साथ जुड़कर प्रकृति के साथ रहकर उनके अस्तित्व को बचाए रखने में ही मानव जीवन का अस्तित्व कायम है।

इस दौरान मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य विकास श्रीवास्तव, कविता नेताम, कुसुम लता जंजीर, जागृति साहू, दुर्गेश नंदिनी मंडावी, सुभाष बिंजोला, कृतराम कुशवाह, सूर्य प्रकाश जैन, सत्य प्रकाश दुबे, चंचल मातलाम, [illegible], हर्ष कुमार डोंगरे, अर्चना [illegible], भारती कांगे, आराधना पटेल आदि

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

JPEG Image, 637 × 1280 pixels)

blob:https://web.whatsapp.com

चारामा में चला सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चारामा. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक स्वच्छता पखवाड़ा 2019 एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कैंपस के लिए अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जन्मदिवस पर 2 अक्टूबर 2019 से देश में सिंगल यूज हमारे जीवन की एक महत्वपूर्ण वस्तु बन गई है। दिनों दिन पूरे विश्व में प्लास्टिक का उत्पादन तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्लास्टिक कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है। प्लास्टिक कचरों में 50 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक कचरा है, जो पृथ्वी को सर्वाधिक प्रदूषित कर रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन से लेकर उसके नष्ट होने तक पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचता है। हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार इसलिए करना चाहिए क्योंकि यह जीवाश्म ईंधन से बनता है, जिसके आस्तित्व में आने के लिए

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

(JPEG Image, 906 × 527 pixels)

blob:https://web.whatsapp.com/01bc9048-6db7-4895-8a00-7df20

हरिभूमि

रायपुर - कांकेर भूमि

Date - 12 Sep'19

स्वच्छता एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶। चारामा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक स्वच्छता पखवाड़ा 2019 एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कैंपस हेतु अभियान चलाया जा रहा है। उसी के तहत विविध कार्यक्रम किए जा रहे है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2020 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वीं जन्मदिवस की वर्षगांठ पर 2 अक्टूबर 2019 से

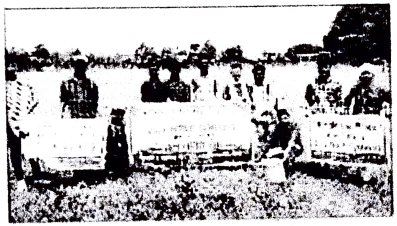

देश में सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध लग जाएगा। इस तारतम्य में 11 सितम्बर को शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा में स्वच्छता अभियान एवं कैम्पस को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने हेतु कार्य किया गया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं एवं महाविधालय कैम्पस की नाली एवं मैदान को सामान्य एवं सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने का प्रयास किया गया।

इस दौरान जानकारी दी गई कि प्लास्टिक को आस्तित्व में आए 4 से 5 दशक ही हुए हैं, लेकिन यह हमारे जीवन की एक महत्वपूर्ण वस्तु बन गई है। दिनों दिन पूरे विश्व में प्लास्टिक का उत्पादन तीव्र गति से बढ़ रहा है और साथ ही प्लास्टिक कचरे का ढेर भी बढ़ता जा रहा है। पूरे प्लास्टिक कचरों में 50 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक कचरा का है,जो ▶▶शेष पेज 10 पर

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा प्लास्टिक

15 सितंबर तक चलेगा सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान

चारामा। नईदुनिया न्यूज

15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कैंपस के लिए अभियान चलाया जा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। महात्मा गांधी की 150 वी वर्षगांठ के अवसर पर दो अक्टूबर से देश में सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध लग जाएगा। इस तारतम्य में बुधवार को शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय,में स्वच्छता अभियान एवं कैम्पस को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने हेतु कार्य किया गया।

छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं एवं महाविद्यालय कैम्पस की नाली एवं मैदान को सामान्य एवं सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने का प्रयास किया गया। दिनों दिन पूरे विश्व में प्लास्टिक का उत्पादन तीव्र गति से बढ़ रहा है और साथ ही प्लास्टिक कचरे का ढेर भी बढ़ता जा रहा है। पूरे प्लास्टिक कचरों में 50 प्रतिशत सिंगल

महाविद्यालय परिसर मे प्लास्टिक को किया एकत्रित। ● **नईदुनिया**

यूज प्लास्टिक कचरा का है, जो पृथ्वी को सर्वाधिक प्रदूषित कर रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन से लेकर उसके नष्ट होने तक पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाता है। हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार इसलिए करना चाहिए क्योंकि यह जीवाश्व ईंधन से बनता है, जिसके अस्तित्व में आने के लिए लाखों साल लगता है।

नष्ट होने में वर्षों लगता है, सिंगल यूज प्लास्टिक का आंशिक भाग ही रिसायक्लल होता है, खाद्य पदार्थों को दूषित करता है, मानव के हार्मोन परिवर्तन एवं कैंसर के लिए उत्तरदायी है, समुद्र को दूषित करता है, जलीय जीवों की मृत्यु का कारण बनता है, कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। इस अभियान में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एमएल नेताम, जल शक्ति अभियान के संयोजक रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी, जल शक्ति टीम के सदस्य हेम प्रसाद पटेल, जीवराखन जैन, कुलेश्वर प्रसाद, छात्र देवेंद्र सिन्हा, धीरज मंडावी, चंद्रभान आदि ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

12/09/2019

15/09/2019

छात्रों ने जल संरक्षण के लिए निकाली जागरूकता रैली

कांकेर। नईदुनिया न्यूज

शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय के जल शक्ति टीम ने ग्राम सान्हेटोला में प्राथमिक, माध्यमिक शाला के स्टॉफ व छात्र-छात्राओं के साथ जल संरक्षण, जल के सदुपयोग, पॉलीथिन, प्लास्टिक के बहिष्कार करने के लिए जन-जागरूकता रैली निकाली।

रैली के निकाले जाने के पूर्व जल शक्ति टीम के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने जल शक्ति अभियान का उद्देश्य, जल शक्ति टीम के कार्य, जल संरक्षण, जल का सदुपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक का मानव जीवन व पर्यावरण पर दुष्प्रभाव के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। रैली में स्कूल के प्रधानपाठक एआर जैन, नरेन्द्र मंडावी, कुसुम जैन, पीआर आचला, जल शक्ति टीम के सदस्य प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, जीवराखन जैन, प्रीति पटेल, धीरज मंडावी, लाकेश्वरी देवांगन, चंद्रभान, भूमिका केमरो, लाला राम पटेल, संजना हिड़को, अर्चना कांगे आदि उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली।

उक्त रैली के अतिरिक्त, महाविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी विषय पर निबंध और जल ही जीवन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में 60 और भाषण प्रतियोगिता में आठ प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 16 सितंबर को प्रतीक चिन्ह, पेन व रजिस्टर प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। भाषण व निबंध प्रतियोगिता में जीवराखन जैन, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद और प्रोफेसर अनूप यादव निर्णायक थे।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

प्लास्टिक का बहिष्कार करने कॉलेज छात्रों ने निकाली रैली

■ संवाददाता | चारामा

जल शक्ति अभियान एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय चारामा के जल शक्ति टीम द्वारा ग्राम साल्हेटोला में प्राथमिक, माध्यमिक शाला के स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं के साथ जल संरक्षण, जल के सदुपयोग, पॉलीथीन, प्लास्टिक के बहिष्कार करने हेतु 14 सितम्बर को जन-जागरूकता रैली निकाली गई.

रैली के निकाले जाने के पूर्व जल शक्ति टीम के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी द्वारा जल शक्ति अभियान का उद्देश्य, जल शक्ति टीम के कार्य, जल संरक्षण, जल का सदुपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक का मानव जीवन एवं पर्यावरण पर दुष्प्रभाव के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गई. रैली में स्कूल के प्रधानपाठक एआर जैन, नरेन्द्र मण्डावी, कुसुम जैन , पी आर आचला, जल शक्ति टीम के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, जीवराखन जैन, प्रीति पटेल, धीरज मण्डावी, लाकेष्वरी देवांगन, चंद्रभान, भूमिका केमरो, लाला राम पटेल, संजना हिड़को, अचर्ना कांगे आदि उपस्थित थे. उक्त रैली के अतिरिक्त , मुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी विषय पर निबंध और जल ही जीवन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. निबंध प्रतियोगिता में 60 और भाषण प्रतियोगिता में 08 प्रतिभागियों ने भाग प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 16 सितम्बर को प्रतीक चिन्ह, पेन एवं रजिस्टर प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा. भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में जीवराखन जैन, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद और प्रोफेसर अनूप यादव

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Chai
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

जलशक्ति और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त चला अभियान

जल ही जीवन पर निबंध प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चारामा. जल शक्ति अभियान एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय, चारामा के जल शक्ति टीम द्वारा ग्राम-सालहेटोला में प्राथमिक, माध्यमिक शाला के स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं के साथ जल संरक्षण, जल के सदुपयोग, पॉलीथिन, प्लास्टिक के बहिष्कार करने के लिए 14 सितम्बर को जन-जागरुकता रैली निकाली गई।

रैली के निकाले जाने के पूर्व जल शक्ति टीम के संयोजक प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी द्वारा जल शक्ति अभियान का उद्देश्य, जल शक्ति टीम के कार्य, जल संरक्षण, जल का सदुपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक का मानव जीवन एवं पर्यावरण पर दुष्प्रभाव के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गई। रैली में स्कूल के प्रधानपाठक एआर जैन, नरेन्द्र मण्डावी, कुसुम जैन, पीआर आचला, जल शक्ति टीम के सदस्य प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल, प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, जीवराखन जैन, प्रीति पटेल, धीरज मण्डावी, लाकेश्वरी देवांगन, चंद्रभान, भूमिका केमरो, लाला राम पटेल, संजना हिड़को, अर्चना कांगे आदि उपस्थित थे। उक्त रैली के अतिरिक्त, महाविद्यालय में 14 सितम्बर को "सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भार के निर्माण में युवाओं की भागीदारी विषय पर निबंध और "जल ह जीवन" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किय गया। निबंध प्रतियोगिता में 60 औ भाषण प्रतियोगिता में 0 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर वाले प्रतिभागियों को सोमवार 1 सितम्बर को प्रतीक चिन्ह, पेन ए रजिस्टर प्रदान कर पुरस्कृत किय जाएगा। भाषण एवं निबं प्रतियोगिता में जीवराखन जैन प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद औ प्रोफेसर अनूप यादव निर्णायक थे।

पत्रिका Mon, 16 September 2019
epaper.patrika.com/c/43652175

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)

ओजोन परत का महत्व, क्षरण और दुष्प्रभाव बताया

चारामा। नईदुनिया न्यूज

ओजोन परत के संरक्षण करने शासकीय शहीद गेंदसिंह महाविद्यालय जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। भौतिक शास्त्र विभाग के प्रो. कुलेश्वर प्रसाद ने विस्तार से छात्र-छात्राओं को ओजोन परत के महत्व, क्षरण और दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि हमें ऐसे चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जिससे क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों का उत्सर्जन होता हो। कार्यक्रम के अंत में 14 सितम्बर को जल शक्ति अभियान

गेंदसिंह महाविद्यालय में ओजोन परत के संरक्षण पर कार्यक्रम

और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित निबंध व भाषण प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को जनभागीदारी अध्यक्ष महेंद्र नायक द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में अर्चना कागे, बीएससी भाग दो ने प्रथम, शिवराज सिन्हा, बीएससी भाग तीन ने द्वितीय और विभावरी नागराज, बीएससी-भाग एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में भारती सिन्हा, बीएससी-भाग तीन ने प्रथम, अर्चना कागे, बीएससी-भाग दो ने द्वितीय और देवेंद्र सिन्हा, एमए राजनीति विज्ञान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी, प्रोफेसर हेमप्रसाद पटेल, जोवराखन जैन, राजकिशोर साहू व समस्त स्टॉफ उपस्थित थे।

कार्यक्रम में ओजोन क्षरण होने से दुष्प्रभाव के बारे में बताते प्रोफेसर।

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charam
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G

शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय में विश्व शांति दिवस पर हुआ व्याख्यान

जलवायु परिवर्तन का जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को बताया

चारामा। नईदुनिया न्यूज

शासकीय शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय चारामा में विश्व शांति दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दिवस को समस्त देशों और वहां निवासरत नागरिकों के बीच शांति और सौहार्द को बनाए रखने का प्रयास करना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और झगड़ों को टालना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस बार का थीम क्लाईमेट एक्शन फॉर पीस रखा, जिसके माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है। अगर जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो शांति की स्थिति खतरे में पड़ जाएगी। प्रोफेसर रवीन्द्र सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि दिन प्रतिदिन पृथ्वी में औद्योगिक गतिविधियों, जीवाश्म ईंधन के प्रयोग, बढ़ती गाड़ियों की संख्या, कृषि संबंधित उत्पादों, कोयला बिजली घर, एयर कंडीशनर आदि से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, मीथेन, ओजोन आदि होते हैं। ग्रीन हाउस गैस में सबसे बड़ा भाग कार्बन डाइऑक्साइड का होता है।

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। • नईदुनिया

ग्रीन हाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है और पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। अगर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन निरंतर बढ़ता रहेगा तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री बढ़ जाएगा और इसके परिणामस्वरूप कई द्वीप और समुद्र से लगे देशों में समुद्र जल का स्तर बढ़ जाएगा।

समस्त विद्यार्थी एवं स्टॉफ से आग्रह किया कि हमें ऐसी चीजों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए जिससे ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता हो। व्याख्यानमाला में प्रोफेसर हेम प्रसाद पटेल द्वारा जलवायु परिवर्तन का मनुष्यों, जीव-जंतुओं एवं पादपों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया। इस दौरान महाविद्यालय के प्रोफेसर कुलेश्वर प्रसाद, जीवनरतन जैन, राजकिशोर साहू, अनूप यादव, नरेश साहू, लालराम पटेल एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

KAM

Principal
Govt. Shaheed Gendsingh College Charama
Distt. Uttar Bastar Kanker (C.G.)